भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 629
बुधवार ,20 जुलाई ,2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

तटीय संवेदनशीलता सूचकांक

629. श्री ए:गणेशमूर्ति .

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र भूमि के द्वारा सूचित भारतीय मुख्य (आईएनसीओआईएस) है और इसमें कितने प्रतिशत की अनुमानित हानि हुई हैरा क्यासमुद्र तट से कटाव का ब्यौ;

(ख) क्या भारत की संपूर्ण तटरेखा के लिए तटीय संवेदनशीलता सूचकांक मानचित्रों का एटलस (सीवीआई) तैयार कर लिया गया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या आपदा जोखिम प्रबंधन कोष बनाने की सिफारिश की है जिसमें य और राज्यवें वित्त आयोग ने राष्ट्री15 र स्तय और राज्यराष्ट्री पर एक शमन कोष और एक प्रतिक्रिया कोष शामिल है; और

(ङ) यदि हां, तो भविष्य में देश में तटरेखा के कटाव के प्रभाव को कम करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(जितेंद्र सिंह .डॉ)

(क) भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र द्वारा विशेष रूप से समुद्र तट के कटाव के कारण (इंकॉइस) हुई हानि के प्रतिशत का अनुमान नहीं लगाया गया है। तथापि, इंकॉइस ने भारतीय तटरेखा के लिए तटीय संवेदनशीलता सूचकांक का अनुमान लगाया है, जो सात तटीय पैरामीटरों का संचयी प्रभाव है। इसके अतिरिक्त,पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय,राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केन्द्र)NCCR) रिमोट सेंसिंग डेटा डैटा और जीआईएस मानचित्रण तकनीकों का उपयोग करकेसे तटरेखा के क्षरण की 1990 मॉनीटरिंग कर रहा है। कुल मिलाकर, 1990 से 6907 भूमि कीतक की अवधि के लिए मुख्य 2018. 18 33 वर्षों के दौरान 28 षण किया गया है। यह देखा गया है कि पिछलेकिमी लंबी तटरेखा का विश्ले. 6 अलग डिग्री का कटाव हुआ है।-प्रतिशत तटरेखा में अलग

(ख) जी, हां।

(ग) इंकॉइस ने भारतीय तट के समानांतर समुद्र के स्तर में वृद्धि के संभावित प्रभावों का आकलन करने के लिए तटीय संवेदनशीलता सूचकांक मानचित्रण किया है। इस कार्यकलाप में सात इनपुट पैरामीटरोंतटरेखा में : परिवर्तन की दर, समुद्र स्तर में परिवर्तन की दर, तटीय ऊंचाई, तटीय ढलान, तटीय भूआकृति विज्ञान-, महत्वपूर्ण लहर ऊंचाई और ज्वारीय सीमा का प्रयोग करते हुए मानचित्र तैयार किए गए हैं। 1:लाख के 1 में जारी की गई थी। 2012 मानचित्र तैयार करके एक एटलस 156 पैमाने पर संपूर्ण भारतीय तट के

(घ) जी, हां। 2021 आयोग नेवें वित्त15-2022 से 22- तक की निर्णय अवधि के लिए 26राष्ट्रीय स्तर और राज्य स्तर रय और राज्य स्तपर शमन कोष तथा राष्ट्री (एसडीएमएफ/एनडीएमएफ) य आपदा जोखिम प्रबंधन पर प्रतिक्रिया कोष को शामिल करते हुए राष्ट्री (एसडीआरएफ/एनडीआरएफ)) आपदा जोखिम प्रबंधन कोषकोष और राज्यSDRMF सृजित करने की सिफारिश की थी। (

(.ड़) वित्त आयोग ने एनडीएमएफ के तहत 'कटाव की रोकथाम के लिए शमन उपायों'तथा एनडीआरएफ के तहत 'कटाव से प्रभावित विस्थापित लोगों के पुनर्वास'के लिए विशिष्ट सिफारिशें भी की हैं। इन कोषों के संचालन के लिए,आयोग ने यह भी सुझाव दिया है कि एनडीएमए औरया गृह मंत्र/ालय कटाव की रोकथाम के लिए शमन उपायों हेतु उपयुक्त मानक तैयार करे तथा केन्द्र एवं राज्य सरकारें, दोनों ही तटीय और नदी कटाव के कारण बडी संख्या में विस्थापित लोगों के विषय में एक नीति तैयार करे। फिलहाल, एनडीएमए में शमन उपायों के लिए उपयुक्त मानक तैयार करने तथा बडी संख्या में विस्थापित लोगों के विषय में नीति तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है।

*****